मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 157, मुंबई, मंगलवार, 26 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

विक्की कौशल और कटरीना कैफ को मिली

जान से मारने की धमकी

मुंबई पुलिस ने धमकी देने वाले दिलजले आशिक को धर दबोचा

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। पिछले दिनों बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को जान से मारने की धमकी के बाद अब विक्की कौशल और कटरीना कैफ को जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद विक्की कौशल ने मुंबई के सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। अब खबर है कि मुंबई पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए कटरीना को ऑनलाइन धमकी देने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। इस आदमी का मनविंदर सिंह बताया जा रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

विक्की ने कहा– कई दिनों से किया जा रहा था परेशान

कुलाब्याचा युवराज

टायगर ग्रुप द्वारा कोलाबा में आयोजित पाद्यपूजन समारोह में शामिल हुये दिलशाद एस. खान

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। कुलाब्याचा युवराज पाद्यपूजन समारोह के अवसर पर दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान को 24 जुलाई, रविवार को आमंत्रित किया गया था, इस अवसर पर दिलशाद एस. खान ने पहुंच कर आमंत्रित किये जाने पर सभी का धान्यवाद किया, साथ ही सभी का हौसला बढ़ाया। दिलशाद एस. खान के पहुंचने पर टायगर ग्रुप के सभी लोगों ने खुले दिल से दिलशाद एस. खान का स्वागत किया, साथ ही कहा कि हम सभी को बहुत ही ज्यादा खुशी हो रही है कि हमारे द्वारा बुलाये जाने पर दिलशाद एस. खान जी अपने व्यस्त समय में से वक्त निकाल कर आज हमारे मंडल में आयें हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

100 करोड़ में राज्यसभा सीट दिलाने वाले गैंग का खुलासा

राज्यपाल बनवाने और सरकारी विभागों में भर्ती कराने का करते थे वादा, 4 अरेस्ट

नई दिल्ली। 100 करोड़ रुपए में राज्यसभा सीट दिलाने और राज्यपाल बनाने का वादा करने वाला रैकेट पकड़ा गया है। सीबीआई ने इस बड़ी कार्रवाई में 4 से ज्यादा लोगों को पकड़ा है। सीबीआई टीम पिछले कई दिनों से इन पर नजर रख रही थी। पैसे के लेनदेने से ठीक पहले सीबीआई ने आरोपी को पकड़ लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। उसके दूसरे साथियों के भी नाम पता चले हैं। 4 से ज्यादा लोग आरोपी बनाए गए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा उद्धव गुट

...कहा - असली शिवसेना किसकी, अभी तय नहीं कर सकते, जल्दबाजी कर रहा चुनाव आयोग

मुंबई। असली शिवसेना को लेकर चुनाव आयोग के आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। इसे लेकर सोमवार को एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें कहा गया है कि अभी बागी विधायकों की अयोग्यता का मामला कोर्ट में पेंडिंग है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

भूख से लड़ाई

दुनिया में अकाल और खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित लोगों के लिए यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि यूक्रेन से अनाज आपूर्ति की सूरत बन गई है। पिछले तीन महीने से विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र इसके लिए प्रयासरत था। रूस को राजी करने में तुर्की का भी बड़ा योगदान बताया जा रहा है। दरअसल, तुर्की भी इन दिनों अनाज के बड़े संकट से गुजर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उभरा संकट पूरी दुनिया को बड़ी मुसीबत में डालने जा रहा था। रूस और यूक्रेन ने शुक्रवार को बंदरगाहों पर फंसे यूक्रेन के दो करोड़ टन से अधिक अनाज को मुक्त करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे न केवल जरूरतमंद देशों तक अनाज पहुंच सकेगा, बल्कि दुनिया भर में खाद्यान्न की बढ़ती कीमतों में कमी भी आएगी। इस सौदे की खबर के तत्काल बाद वैश्विक अनाज बाजारों से प्रतिक्रिया आई है। शुक्रवार को ही गेहूं का वायदा भाव पांच फीसदी से ज्यादा कम हो गया। अनाज का भाव गिरने से दुनिया में महंगाई पर एक हद तक लगाम लगेगी। गौर करने की बात है कि यूक्रेन दुनिया के लिए रोटी की एक टोकरी है। वह गेहूं, जौ, मक्का और सूरजमुखी का एक प्रमुख निर्यातक है। युद्ध शुरू होने के बाद निर्यात लगभग ठप था। अनाज का एक और बड़ा निर्यातक रूस भी है, उसे भी अनाज के निर्यात में मुश्किलें आने लगीं। खास बात यह है कि रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया को 29 प्रतिशत अनाज की आपूर्ति करते हैं। एकबारगी वैश्विक अनाज बाजार में 29 प्रतिशत की कमी बहुत मायने रखती है। नतीजा यह हुआ था कि विश्व बाजार में खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ीं, मिसाल के लिए, मई में गेहूं की कीमत फरवरी की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक हो गई। किसी तरह से कीमतें इधर कुछ संभली हैं, लेकिन अनाज भंडार का अभाव होने लगा है। अतः आपूर्ति सामान्य करने के लिए खासकर रूस को राजी करना जरूरी था। पश्चिमी देश यह आरोप लगा रहे थे कि रूस अनाज-आपूर्ति रोककर दुनिया का भयादोहन कर रहा है। रूस को भी यह अवश्य ध्यान होगा कि अनाज का यदि ज्यादा अभाव हुआ, तो इससे उसकी लोकप्रियता में तेजी से कमी आएगी। आम लोगों का गुस्सा रूस पर फूटेगा, अतः रूस ने राजी होकर एक चतुराई का ही परिचय दिया है। दुनिया के तमाम देशों को यह ध्यान रखना चाहिए कि भूख दूर करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर कहीं कोई भूख से मर रहा है, तो विकसित देशों के लिए भी यह शर्म की बात है। ध्यान रहे, संयुक्त राष्ट्र ने संभावित अकाल और राजनीतिक अशांति की चेतावनी दी थी। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के पूर्वी अफ्रीका के आपातकालीन निदेशक शाश्वत सराफ ने कहा है कि इन अवरोधों के हटने से पूर्वी अफ्रीका में 1.80 करोड़ से अधिक लोगों को भूख से लड़ने में तत्काल मदद मिलेगी। इस क्षेत्र में 30 लाख लोग पहले से ही भयावह भूख की स्थिति का सामना कर रहे थे। आईपीसी के अनुसार, दुनिया के 34 से ज्यादा देशों में लाखों लोग अकाल के कगार पर हैं। साल 2022 पहले ही अकाल वर्ष जैसा घोषित है और अगला साल भी बिगड़ने की आशंका है। यह समूचे सभ्य मानव समाज के लिए चिंता की बात है कि 21वीं सदी में भी लोग दो-वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। विज्ञान से जो सहूलियत हमें हासिल हुईं, उन्हें युद्ध छीन रहा है। जो देश युद्ध को परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से भड़काने में लगे हैं, उन्हें फिर सोचना चाहिए कि आज दुनिया के लिए ज्यादा जरूरी क्या है।

फिर भी भाजपा क्षत्रप किलों में फेल !

राष्ट्रपति चुनाव में आदिवासी महिला को उम्मीदवार बनाना भाजपा का मास्टरस्ट्रोक था। कायदे से कही भी द्रौपदी मुर्मू का विरोध नहीं होना चाहिए था। जैसे इससे पहले दलित राष्ट्रपति चुनने के नाम पर केआर नारायणन का नहीं हुआ था या एपीजे अब्दुल कलाम का नहीं हुआ था। तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने कहा भी था कि भाजपा ने द्रौपदी मुर्मू के नाम पर पहले सलाह-मशविरा नहीं किया, उसने बातचीत की सिर्फ औपचारिकता निभाई। इसका मतलब है कि अगर भाजपा ने पहले बातचीत की होती तो संभव था कि मुर्मू के नाम पर आम सहमति बन जाती। ऐसा लग रहा है कि भाजपा इस भरोसे में थी कि आदिवासी महिला को उम्मीदवार बनाने से अपने आप विपक्षी एकता टूटेगी और विपक्षी पार्टियां भी उनका समर्थन करेंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विपक्षी पार्टियों ने अपना किला बचाए रखा। आदिवासी और महिला कार्ड के बावजूद भाजपा ने कई राज्यों में क्रॉस वोटिंग के बहुत प्रयास किए इसके बावजूद उसे ज्यादा कामयाबी नहीं मिल पाई।

शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक 17 सांसदों और 121 विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की खबर है। इनमें से ज्यादातर सांसद और विधायक कांग्रेस के हैं। गुजरात, असम, झारखंड आदि राज्यों में कांग्रेस विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। लेकिन ज्यादातर क्षत्रपों ने अपना किला बचाए रखा। भाजपा उसमें सेंध नहीं लगा सकी। आदिवासी उम्मीदवार के नाम पर झारखंड मुक्ति मोर्चा का समर्थन देना अपनी जगह है लेकिन जहां क्षत्रपों ने समर्थन नहीं दिया वहां उनके वोट नहीं टूटे। पश्चिम बंगाल का बड़ा इलाका आदिवासी बहुल है। इसी वजह से ममता बनर्जी ने यूपीए के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को अपने यहां आने से मना कर दिया था। ऐसा लग रहा था कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों के कुछ विधायक क्रॉस वोटिंग कर सकते हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल में 216 विधायकों ने यशवंत सिन्हा को वोट दिया। द्रौपदी मुर्मू को 71 वोट मिले, जो पूरी तरह से भाजपा के वोट थे।

इसी तरह दक्षिण भारत में भाजपा के लिए उम्मीदों का प्रदेश तेलंगाना है, जहां पार्टी अगले साल के चुनाव में तेलंगाना राष्ट्र समिति का विकल्प बनना चाहती है। वहां पार्टी काफी मेहनत भी कर रही है लेकिन वहां राष्ट्रपति चुनाव में एक भी विपक्षी विधायक ने क्रॉस वोटिंग नहीं की। राज्य में भाजपा के तीन विधायक हैं और द्रौपदी मुर्मू को तीन ही वोट मिले। बाकी टीआरएस, कांग्रेस और एमआईएम के विधायकों के वोट यशवंत सिन्हा को मिले। इसी तरह तमिलनाडु में द्रौपदी मुर्मू को 75 वोट मिले। वहां भी एक भी विधायक ने क्रॉस वोटिंग नहीं की। राज्य की विधानसभा में अन्ना डीएमके, पीएमके, भाजपा और पीबीके को मिला कर 75 वोट हैं और इतने ही वोट मुर्मू को मिले। केरल में पिछले चुनाव में भाजपा अपना खाता नहीं खोल पाई थी लेकिन पार्टी और संघ दोनों बहुत आक्रामक तरीके से जमीनी स्तर पर काम रहे हैं। इसके बावजूद द्रौपदी मुर्मू को राज्य में एक वोट मिला। यानी पूरी विधानसभा में एक विधायक ने क्रॉस वोटिंग की। संभव है कि आदिवासी और महिला के नाम पर वह वोट उनको मिला हो। बिहार और उत्तर प्रदेश में भी राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी ने मोटे तौर पर अपना किला बचाए रखा। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी के सांसदों और विधायकों ने भी सारे वोट यशवंत सिन्हा को डाले।

सो, राष्ट्रपति चुनाव से विपक्ष और कांग्रेस दोनों के लिए बड़ा सबक है, खास कर कांग्रेस के लिए। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करना चाहती है। लेकिन हकीकत यह है कि वह सबसे कमजोर विकेट पर खड़ी है। पार्टी विधायक और सांसद ही नेतृत्व के प्रति भरोसा नहीं दिखा पा रहे हैं। भाजपा जहां चाहती है वहां उसे तोड़ देती है या उसके विधायकों, सांसदों से क्रॉस वोटिंग करा लेती है। इसके मुकाबले क्षेत्रीय पार्टियों का नेतृत्व ज्यादा मजबूत है। हाल में हुए राज्यसभा चुनाव से लेकर राष्ट्रपति चुनाव तक में यह दिखा है। इसलिए कांग्रेस को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना चाहिए। यह देखना चाहिए कि विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए कौन सी पार्टी और कौन सा नेता ज्यादा सक्षम है। साथ ही उसे अपनी पार्टी और संगठन को एकजुट रखने के लिए भी मेहनत करनी होगी। अगले चुनाव में भाजपा के खिलाफ विपक्ष की लड़ाई में कमजोर कड़ी कांग्रेस है।

दिल्ली: हिरण पर क्यों लादें घांस

इसमें जरा भी शक नहीं है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई नई और अच्छी पहल की हैं। उसकी नई शिक्षा पद्धति को देखकर कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां भी काफी प्रभावित हुई हैं। अब दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि वह 50 केंद्रों में एक लाख ऐसे बच्चे तैयार करेगी, जो फरार्टेदार अंग्रेजी बोल सकें। अंग्रेजी की अनिवार्य पढ़ाई तो भारत के सभी विद्यालयों में होती है लेकिन अंग्रेजी में संभाषण करने की निपुणता कम ही छात्रों में होती है। इसी वजह से वे न तो अच्छी नौकरियां ले पाते हैं और वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी हीनता-ग्रंथि से ग्रस्त रहते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान गरीब और पिछड़े परिवारों के छात्रों को होता है। उन्हें घटिया पर्दों और कम वेतन वाली नौकरियों से ही संतोष करना पड़ता है। ऐसे छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिले, इसीलिए दिल्ली सरकार अब 12 वीं पास छात्रों

को अंग्रेजी बोलने का अभ्यास मुफ्त में करवाएगी। शुरू में वह उनसे 950 रुपए जमा करवाएगी ताकि वे पाठ्यक्रम के प्रति गंभीर रहें। यह राशि उन्हें अंत में लौटा दी जाएगी। यह पाठ्यक्रम सिर्फ 3-4 माह का ही होगा। 18 से 35 साल के युवकों के लिए यह अंग्रेजी बढ़िया बोलो अभियान खुला रहेगा। मोटे तौर पर दिल्ली सरकार की इस योजना के पीछे उसकी मन्शा पूरी तरह सराहनीय है लेकिन दिल्ली की ही नहीं, हमारे सभी राज्यों और केंद्र की सरकार ने क्या कभी सोचा कि हमारी शिक्षा और नौकरियों में अंग्रेजी की अनिवार्यता ने भारत का कितना बड़ा नुकसान किया है? यदि सरकारी नौकरियों से अंग्रेजी की अनिवार्यता हटा दी जाए तो कौन माता-पिता अपने हिरण-जैसे बच्चों पर घांस लादने की गलती करेंगे? चीनी भाषा के अलावा किसी भी विदेशी भाषा को सीखने के लिए साल-दो साल काफी होते हैं लेकिन भारत में बच्चों पर यह घांस दस-बारह साल तक लाद दी जाती है। अपने छात्र-काल में मैंने अंग्रेजी के अलावा जर्मन, रूसी और फारसी भाषाएं साल-साल भर में आसानी से सीख ली थीं। अंग्रेजी से कुश्ती लड़ने में छात्रों का सबसे ज्यादा समय नष्ट हो जाता है। अन्य विषयों की उपेक्षा होती है। मौलिकता नष्ट होती है। हीनता ग्रंथि पनपने लगती है। अहंकार और ढोंग पैदा हो जाता है। हमारी शिक्षा-व्यवस्था चौपट हो जाती है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा कलवा रेती बंदर खाड़ी से दिनदहाड़े की जा रही है हाथ भट्टी देसी दारू की तस्करी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। जहां एक ओर मुंब्रा और कलवा पुलिस नशे पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की भरपूर कोशिश कर रही है लेकिन यह बात समझ से परे है फिर भी नशा कम होता हुआ मुंब्रा और कलवा में नजर नहीं आ रहा है नशे के सौदागर अपने कारोबार को बेखौफ धड़ल्ले से चला रहे हैं इन नशे के कारोबारियों को किसका संरक्षण प्राप्त है आखिर यह किसके इशारे पर नशे का कारोबार धड़ल्ले से कर रहे हैं आपको बताते चलें मुंब्रा कलवा रेती बंदर का एक समाजसेवी द्वारा वीडियो वायरल किया गया है जो कि सोशल मीडिया पर खूब वायरल होता हुआ नजर आ रहा है हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया गया था जिसमें बताया गया था किस तरह से मुंब्रा कौसा के

छोटे बच्चे 7 वर्ष और 12 वर्ष के बताए जा रहे हैं जोकि सॉल्यूशन नशा करते हुए एक समाजसेवी महिला मुन्नी आपा द्वारा देखा गया था उनकी जेब से बीड़ी नसवार की सामग्री पाई गई इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि मुंब्रा कौसा में नशा किस तरह से फलता फूलता नजर आ रहा है और मुंब्रा पुलिस को चाहिए कि इन नशे के कारोबारियों पर जल्द से जल्द लगाम कसे और नशे के सौदागरों को सलाखों के पीछे भेजें फिलहाल हम मुंब्रा कलवा रेती बंदर खाड़ी से हाथभट्टी देसी दारू के वीडियो मै जो दिखाया गया है उसके बारे में बात करते हैं कि किस तरह से नाव में भरकर अवैध हाथभट्टी देसी दारू की दिनदहाड़े तस्करी की जा रही है और यह तस्करी मुंब्रा और कलवा पुलिस की आंखों में धूल झोंक के की जा रही है बताया जा रहा है इस नाव में 15 से 16 गोनी अवैध हाथ भट्टी देसी दारू से भरी हुई है और इसको रिक्शा में डालकर हाथभट्टी देसी दारू के मालिकों के पास पहुंचाने का काम किया जा रहा है जबकि हाथभट्टी देसी दारू पीने से कितने परिवार उजड़ गए हैं कितनों की जान चली गई है और फिर भी यह कारोबार धड़ल्ले से मुंब्रा कलवा में फलता फूलता हुआ नजर आ रहा है तो हम मुंब्रा और कलवा पुलिस से निवेदन करते हैं कि कृपया इस मामले का पूरा संज्ञान ले और मुंब्रा और कलवा में चल रहे हाथभट्टी देसी दारू का गोरख धंधा करने वालों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करें ताकि यह हाथभट्टी देसी शराब पीकर किसी की जान नहीं जाए और परिवार न उजड़े यह आपसे निवेदन है।

मुंब्रा शहर की राजनीतिक पार्टियों की मेहनत रंग लाई

दिवा पुलिस स्टेशन बनाने के लिए मिली हरी झंडी, जल्द प्रारंभ किया जाएगा दिवा शहर में पुलिस स्टेशन बनाने का कार्य

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। वक्त के साथ बढ़ती हुई मुंब्रा और दिवा शहर की जनसंख्या को देखते हुए दिवा शहर में पुलिस स्टेशन का होना अत्यंत आवश्यक माना जा रहा है मुंब्रा शहर की जनसंख्या पर विचार करें तो 12 लाख से अधिक बताई जा रही है और सरकारी आंकड़े की माने तो आठ लाख बताई जा रही है वहीं दूसरी ओर बढ़ती हुई दिवा शहर की जनसंख्या पर विचार विमर्श करें तो अनुमान लगाया जा रहा है सात लाख से अधिक आबादी वाला शहर दिवा इस वक्त नजर आ रहा है वह तो मुंब्रा पुलिस स्टेशन की खुशनसीबी है की डायगर पुलिस स्टेशन को अलग कर दिया गया वरना पहले डायगर पुलिस स्टेशन भी मुंब्रा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता था गौरतलब बात यह है मुंब्रा और दिवा दोनों शहरों की जनसंख्या जोड़ी जाए तो 19 लाख के करीब बताई जा रही है लेकिन बड़े अफसोस की बात है 19 लाख की जनसंख्या वाले शहर को नियंत्रित करने के लिए मात्र एक मुंब्रा पुलिस स्टेशन दिया गया है जिसमें से पुलिस सिपाही पुलिस नाइक हवलदार अधिकारी कुल मिलाकर 171 पुलिसकर्मी मुंब्रा पुलिस स्टेशन को ठाणे आयुक्तालय द्वारा दिए गए हैं लेकिन समझने वाली बात यह है 19 लाख की जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए मात्र 171 पुलिसकर्मी किस तरह से इतनी बड़ी जनसंख्या वाले शहर को और कानून व्यवस्था को बनाने में सक्षम रहेंगे और शायद यही कारण

है कि अपराध दिन-ब-दिन बढ़ता चला जा रहा है जबकि कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस की होती है लेकिन बेचारी पुलिस भी इंसान है भगवान नहीं तो किस तरह से मुंब्रा पुलिस भी दोनों शहर को नियंत्रित करने मै किस तरह से सक्षम रहेगी जबकि ठाणे की तुलना में अगर देखा जाए तो राबोड़ी परिसर घोड़बंदर वागले एस्टेट और कई एक इलाके हैं जहां पर ठाणे आयुक्तालय द्वारा काफी मात्रा में पुलिस बल दिया गया है जबकि जनसंख्या मुंब्रा और दिवा शहर से तुलना में बहुत कम है फिर भी पुलिस सुरक्षा इन इलाकों में ज्यादा प्रदान की गई है मुंब्रा पुलिस स्टेशन के बारे में बता दें सरकारी गाड़ी जो पेट्रोलिंग करती है वह भी पहले एक ही थी अब कहीं जाकर दो की गई हैं पुलिस वालों के पास सरकारी बाइक नहीं है फिलहाल यह तमाम विकृत परिस्थितियों को देखते हुए मुंब्रा शहर की राजनीतिक पार्टी द्वारा वर्ष 2014 से अपने अपने तरीके से पत्र व्यवहार कर ठाणे पुलिस आयुक्त को मुख्यमंत्री उप मुख्यमंत्री को पत्र देकर दिवा पुलिस स्टेशन बनाने की मांग की गई और कहां गया मुंब्रा पुलिस स्टेशन केवल मुंब्रा शहर वासियों के लिए ही रहेगा जब दिवा शहर में दिवा पुलिस स्टेशन बनेगा तब अपराध खुद-ब-खुद कम हो जाएगा और मुंब्रा पुलिस स्टेशन को भी भरपूर राहत मिल जाएगी ताकि वह अपना काम कानून व्यवस्था बनाने में सक्षम नजर आएंगे और अपराध और अपराधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले लोगों को सलाखों के पीछे पहुंचाने में कामयाब रहेंगे तमाम हालातों को देखते हुए सभी राजनीतिक पार्टियों ने पत्र व्यवहार करना आरंभ किया और उनकी मेहनत रंग लाई दिवा शहर में दिवा पुलिस स्टेशन बनाने के लिए हरी झंडी ठाणे पुलिस आयुक्त द्वारा दिया गया दिवा पुलिस स्टेशन सेक्टर 9 दिवा प्रभाग समिति के सामने बनाया जाएगा जोकि तळ अधिक चार मंजिला का होगा जिसका वीपी नंबर र11/0134/16 और टीएमसी/टीडीडी:3780/21 आपको बता दें इस पुलिस स्टेशन को निर्माण कार्य करने का काम जगजीत रियल्टर्स को दिया गया है अब देखना यह है दिवा पुलिस स्टेशन निर्माण करने के लिए हरी झंडी तो ठाणे पुलिस आयुक्त जयजीत सिंह द्वारा दी गई है अब कब इस काम का शुभारंभ किया जाता है और कितने महीनों में यह दिवा पुलिस स्टेशन बनकर तैयार किया जाता है यह देखने वाली बात होगी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

कुलाब्याचा युवराज

इस समारोह में दिलशाद एस. खान भाईचारे की एकता का प्रतीक बने। साथ ही दिलशाद खान ने कहा कि आज चंद नेताओं की वजह से हम सब को बांटा जा रहा है, लेकिन हम सभी का कर्तव्य है कि उनके बहकावे में न आकर, हम सबको हमारे देश में एकता बना कर रखनी चाहिए। दिलशाद खान ने कहा कि हमारा देश हिंदुओं और मुसलमानों के बीच 'एकता का प्रतीक' रहा है जो हिंदू-मुस्लिम मित्रता के अंतसंबंध से स्पष्ट होता है। इस अवसर पर टायगर ग्रुप के कुलाबा प्रमुख रवि भाउ (अध्यक्ष), कुलाब्याचा युवराज अध्यक्ष नितेश बंदरे, जयेश आव्हाड, जतिन सोनावणे व निनाद चव्हाण आदि लोग उपस्थित थे, साथ ही इस समारोह में दिलशाद एस. खान के साथ शाहबाज खान व सुहेल खान भी पहुंचे।

विक्की-कटरीना कैफ को मिली जान से मारने की धमकी

पुलिस ने धमकी देने वाले शख्स मनविंदर को कुछ घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया। वह मुंबई में एक स्ट्रगलिंग एक्टर है और फिल्मों में काम पाने की कोशिश कर रहा है। मनविंदर ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि वह कटरीना कैफ से एकतरफा प्यार करता है। वह फेक इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर कटरीना को अश्लील और धमकी दिया करता था। मनविंदर लखनऊ का रहने वाला है और उसने अपने मीडिया अकाउंट पर कटरीना को अपनी वाइफ और गर्लफ्रेंड बताया था। मनविंदर ने यहां खुद के साथ कटरीना की मॉर्फ्ड फोटो भी लगा रखी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कटरीना कैफ ने मुंबई पुलिस में शिकायद दर्ज की थी कि एक व्यक्ति उनकी पत्नी कटरीना कैफ को सोशल मीडिया पर स्टॉक कर रहा है। यहां तक तो सबकुछ ठीक था लेकिन अब यह शख्स एक्ट्रेस और उनके पति को जान से मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए विक्की कौशल ने मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पिछले दिनों पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के हत्यारों ने सलमान खान को मारने की प्लानिंग बनाई थी। जांच में पता चला कि हत्यारे सलमान खान के काफी नजदीक तक पहुंच चुके थे। इसे ध्यान में रखते हुए मुंबई पुलिस ने फुर्ती दिखाई और कटरीना पर अश्लील कॉमेंट करने वाले और जान से धमकी देने वाले शख्स मनविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। मनविंदर के खिलाफ आईपीसी की धारा 506 (2) और 354 (डी) के तहत मामला दर्ज किया। इसके अलावा पुलिस ने आईटी एक्ट 67 के तहत भी आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

100 करोड़ में राज्यसभा सीट दिलाने वाला गैंग खुलासा

फिलहाल 100 करोड़ रुपए में सौदा होने की बात सामने आई है। सीबीआई अधिकारी पिछले कुछ हफ्तों से फोन इंटरसेप्टर के जरिए कॉल सुन रहे थे। बीते कई दिनों से आरोपियों पर उनकी नजर थी। डील जब फाइनल होने वाली थी, तभी आरोपी को दबोच लिया गया। सीबीआई ने चार आरोपियों की पहचान कर ली है। महाराष्ट्र निवासी कमलाकर प्रेमकुमार बांदगर, कर्नाटक निवासी रवींद्र विट्ठल नाइक, दिल्ली निवासी महेंद्र पाल अरोड़ा और अभिषेक बूरा इस डील में शामिल थे। गिरफ्तार लोगों की पहचान कोल्हापुर जिले के हाटकनागले निवासी रियाज अल्लाहबक्स शेख, ठाणे के रहने वाले निवासी योगेश मधुकर कुलकर्णी, मुंबई में नागपाड़ा के रहने वाले सागर विकास संगवई और जफर अहमद राशिद अहमद उस्मानी के रूप में हुई।

सुप्रीमकोर्ट पहुंचा उद्धव गुट

ऐसे में आयोग यह तय नहीं कर सकता कि असली शिवसेना कौन है। चुनाव आयोग ने शिंदे गुट और उद्धव गुट से 8 अगस्त तक शिवसेना के अधिकार के दावे दस्तावेज के साथ दाखिल करने के लिए कहा था। इसे ही ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया है। याचिका में कहा गया है कि आयोग का यह फैसला असंवैधानिक और जल्दबाजी में लिया गया है। याचिका में कहा है कि शिंदे गुट अवैध रूप से संख्या बढ़ाने और संगठन में कृत्रिम बहुमत बनाने की कोशिश कर रहा है।

नकली उर्वरक, दवा व खाद बनाकर नकली मार्का लगाकर बैगों में पैक कर बेच देते थे

संवाददाता/आसिम अजीज/सलीम खान

रामपुर। पुलिस ने असली कीटनाशक की कॉपी कर नकली कीटनाशक खाद एवं दवाई बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है पुलिस ने रंगे हाथ नकली कीटनाशक बनाते हुए 3 लोगों को गिरफ्तार किया है इस घटना का खुलासा सीओ सिटी अनुज कुमार चौधरी ने मीडिया से वार्ता कर किया। थाना कोतवाली:-पुलिस ने नकली उर्वरक, दवा व खाद बनाकर नकली मार्का लगाकर बैगो मे पैक कर बेचने वाले 3 अभियुक्तगण गिरफ्तार-कर कोर्ट के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। थाना कोतवाली, रामपुर पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह कैसे मिलकर नकली उर्वरक, दवा व खाद बनाकर नकली मार्का लगाकर बैगो मे पैक कर खाद की दुकानो मे बेच देते है और खाद के दुकानदार किसानो को बेच देते है। सभी अभियुक्तगण धोखाधड़ी करते हुए उर्वरक/कीटनाशी की रजिस्टर्ड कम्पनियों के रेपर/बैग/ पैकट का कूटकरण कराकर पुनः असली के रूप में प्रयोग करते हुये अवैध आर्थिक लाभ प्राप्त करते थे। अभियुक्त गण से पूछताछ पर उनके द्वारा बताये गये दुकानदारो की दुकानो की तस्दीक कर जांच की जा रही है। जल्द पुलिस उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करेगी इसके अलावा इस मामले में कुछ आरोपी फरार हैं पुलिस उनके लिए भी दबिश दे रही है उनकी भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी फिलहाल पुलिस ने नकली दवाई बनाने का भंडाफोड़ करते हुए 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वीआईपी के जिला कार्यालय पर वीरांगना महान फूलन देवी की 21वी शहादत दिवस मनाई गई

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। मुसरीघरारी के समीप विकासशील ईंसान पार्टी के जिला कार्यालय पर दिन के 11:00 बजे वीरांगना महान फूलन देवी की 21वी शहादत दिवस के अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता द्वारा उनके प्रतिमा पर माला व पुष्प अर्पित किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आदर्श कुमार पिंटू ने किया, वहीं उन्होंने बताया कि उनके शहादत दिवस आज बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश पार्टी सुप्रीमो माननीय श्री मुकेश साहनी जी के नेतृत्व में मनाया जा रहा है महान फूलन देवी एक नाम ही नहीं बल्कि विद्रोह की क्रांतिकारी कहानी भी है हमारे समाज में हमेशा प्रेरणा स्त्रोत रहेगी। आज के ही दिन 25 जुलाई 2001 को शेर सिंह राणा नाम के जातिवादी हत्यारों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। वहीं इस मौके पर एहशान खान, पुष्पा सहनी, अजय साहनी, श्याम साहनी, भीष्म कापर, काजल कुमारी, संतोष कुमार, साहनी, संगीता कुमारी, राजकुमार साहनी, परशु राम कुमार साहनी, सोनू कुमार, मासूम कुमार, विनोद साहनी आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

विराट कोहली के हमशक्ल की फिल्म 'मैच ऑफ लाइफ' का ट्रेलर और म्युजिक हुआ लांच

क्रिकेट और बॉलीवुड का काफी गहरा और पुराना कनेक्शन रहा है। कपिल देव, धोनी, मोहम्मद अजहरुद्दीन सहित कई खिलाड़ियों पर फिल्मे बनकर हिट हुई हैं। अब एक फिल्म 'मैच ऑफ लाइफ' 5 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है जिसका कनेक्शन भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली से है। दरअसल इस फिल्म के हीरो अमित मिश्रा देखने में एकदम विराट कोहली की तरह नजर आते हैं। उनका लुक, बॉडी लैंगुएज सब कुछ विराट कोहली जैसा है। फिल्म में यश मेहता ने भी काफी महत्वपूर्ण रोल निभाया है। निर्माता कपिल पूरी, तरु पूरी, विशाल मेहता और यश मेहता की फिल्म 'मैच ऑफ लाइफ' का ट्रेलर और म्युजिक लांच मुंबई के रेड बल्ब में भव्य रूप से किया गया जहां फिल्म की पूरी टीम के साथ कई सितारे गेस्ट के रूप में मौजूद रहे और मीडिया की भी भारी संख्या देखने को मिली। निर्देशक अमन सागर की इस फिल्म के इस फंक्शन में मुख्य अतिथि राजपाल यादव रहे, जिन्होंने यजे फिल्म में भी एक अहम भूमिका निभाई है। फिल्म के ट्रेलर में वह अपनी कॉमिक टाइमिंग और संवाद अदायगी से सबको हंसने पर मजबूर करते हैं। साथ ही यहां मेहमान के रूप में संगीतकार दिलीप सेन, कंमिडियन एहसान कुरैशी, सुनील पाल और एक्टर रमेश गोयल भी उपस्थित रहे। सभी ने फिल्म के निर्माता निर्देशक और कलाकारों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर समीर मार्क, सरफराज, अरबाज खान, मुजस्सिम खान, अरमान, मुनीर भी मौजूद रहे। अनदया फिल्म प्रोडक्शन और याशिका मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी फिल्म 'मैच ऑफ लाइफ' को स्क्रीनशॉट मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप द्वारा ऑल इंडिया रिलीज किया जा रहा है, इसके मार्केटिंग हेड इसरार अहमद हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कपिल पूरी ने बताया कि फिल्म 'मैच ऑफ लाइफ' न सिर्फ एक मनोरंजक सिनेमा है बल्कि यह प्रेरणादायक फिल्म भी है। इस फिल्म में अमित मिश्रा और यश मेहता के अलावा राजपाल यादव, गजाला परवीन, स्टेफी पटेल, सुप्रिया कार्णिक, सुधा चंद्रन, अनिल धवन, जाकिर हुसैन, अखिलेंद्र मिश्रा, हेमंत पाण्डेय, वृजेश हिर्जे, अरुण बाली और पंकज बेरी ने भी अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी है। फिल्म की निर्मात्री तरु पूरी ने यहां मीडिया से कहा कि यह एक खूबसूरत फिल्म है। इसकी कहानी कमाल की है जो दिल को छू लेगी। निर्देशक अमन सागर ने काफी मेहनत और शिद्दत से इसे बनाया है। निर्माता विशाल मेहता ने बताया कि कोई आदमी भी किसी बड़ी हस्ती का हमशक्ल हो सकता है लेकिन उसके जैसा दिखने से उसके फायदे भी और नुकसान भी, इसी वनलाइनर के इर्दगिर्द यह सिनेमा घूमता है। एक्टर यश मेहता ने कहा कि दरअसल जिंदगी भी एक मैच है, उसी बात को इस फिल्म में दर्शाने का प्रयास किया गया है। उम्मीद है कि दर्शक मेरे किरदार से कनेक्ट कर पाएंगे। डायरेक्टर अमन सागर ने खूब मेहनत की है। हमें 5 अगस्त का इंतजार है जब यह फिल्म रिलीज होगी। एक्टर अमित मिश्रा टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के हमशक्ल जैसे दिखते हैं। फिल्म के पोस्टर पर अमित मिश्रा टीम इंडिया की जर्सी में दिखाई दे रहे हैं और ट्रेलर में विराट के अंदाज में ही शॉट लगाते भी नजर आ रहे हैं। अमित मिश्रा इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि अपने किरदार की तय्यारी के लिए काफी हार्ड वर्क किया है, यह भूमिका बहुत चुनौतियों भरी थी लेकिन रुपहले पर्दे पर इसका परिणाम देखकर खुशी होती है। फिल्म की कहानी, पटकथा संवाद लेखक विशाल मेहता हैं, को-राईटर अभिषेक शशि कुमार हैं। फिल्म का संगीत श्वेता बहेती तायल और रवि चोपड़ा ने दिया है।

अमित मिश्रा, यश मेहता, राजपाल यादव स्टारर फिल्म के फंक्शन में एहसान कुरैशी, दिलीप सेन, सुनील पाल, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी रहे उपस्थित

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर पूर्वांचल विकास परिवार द्वारा भव्य महारूद्राभिषेक का आयोजन

संवाददाता

मुंबई। श्रावण मास के अवसर पर देश भर में भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए भक्त जलाभिषेक कर रहे हैं, इसी कड़ी में मुंबई स्थित पूर्वांचल विकास परिवार के अध्यक्ष एवं शिवसेना के संगठक मंत्री डॉ. दगेश यादव ने शिवसेना प्रमुख उद्धव बालासाहेब ठाकरे के जन्मदिन पर दिघार्गु एवं अच्छे अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए भव्य महारूद्राभिषेक का आयोजन स्वयंभू तपेश्वर महादेव मंदिर आरे कॉलोनी, गोरेगांव पूर्व में किया है। इस अवसर पर पूर्वांचल विकास परिवार के पदाधिकारी एवं शिवसेना के गणमान्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

मुस्लिम समुदाय ने बरसाएं शिवभक्तों पर फूल

पेश की आपसी सौहार्द की मिसाल, डी एम एस पी भी रहे मौजूद

संवाददाता/अरमान उल हक

सम्भल। संभल जिले के थाना हयातनगर सराय तरीन पक्का बाग में शिव मंदिर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सय्यद शान अली और भाजपा नेता दानिश पाशा ने अपने कार्यकर्ताओं ने मुस्लिम समाज के साथ शिव भक्तों का कावड़ियों भाइयों का फूल वर्षा कर जोरदार स्वागत किया तथा हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल पेश की याद रहे ये शिविर कई साल से लगया जाता है और शिव भक्तों का स्वागत किया जाता है और जल पान फल का शिव भक्तों को वितरण क्या जाता है इस शिविर का उदघाटन जिला अधिकारी श्री मनीष बंसल एवम पुलिस अधीक्षक सम्भल श्री चक्रेश मिश्र जी के द्वारा उदघाटन किया गया तथा उदघाटन करते हुए जिलाधिकरी ने कहा कि शिव तेरस के लिए भगवान शिव के जल अभिषेक के लिए जो लोग गंगा जल लेकर आ रहे है हम उनका स्वागत करते है जैसे कि मुसिलम भाइयों ने स्वागत किया है जिससे आपसी भाई चारा और सौहार्द मजबूत होगा संभल की मुस्लिम समुदाय द्वारा किया गया कार्य काबिले तारीफ है। इस दौरान हयातनगर के पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुरेश अटल मोजूदा वर्तमान मंडल अध्यक्ष गरेश शर्मा जी जिला मंत्री जगप्रकाश गुप्ता जी गुलजार अंसारी निवर्तमान नगर अध्यक्ष वसीम सैफी जिला कार्यकरणी सदस्य खुर्शीदा बेगम निवर्तमान जिला मंत्री परवीन जहाँ बुथ अध्यक्ष शकिलूरहमन मलिक निवर्तमान जिला कार्यलय मंत्री आबिद तुर्की फहीम खांन उपाध्यक्ष नगर मोहम्मद नबी अंसारी मुर्शिद उस्मानी बुथ अध्यक्ष आदि ने स्वागत क्या तथा फल जल वितरण क्या सय्यद शान अली निवर्तमान जिला अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा सहित मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

बलात्कार जैसे संगीन अपराध पर अदालत से मिलती हैं तारीख पर तारीख तो मजबूर इंसान क्या करें?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। देश में कहीं किसी बेटी का बलात्कार होता हैं तो अपराधी उसमें किसी का धर्म नहीं देखता है बल्कि उसे तो अपनी वासना का नंगा नाच पूरा करना होता है। बलात्कार की ऐसी ही घटी एक सच्ची घटना पर एक पिता के धैर्य का जवाब दे जाना, उसमें एक मजबूर पिता का दर्द झलकता हैं। एक पिता के दर्द व बेटी की व्यथा को वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद जावेद खान ने जिस मार्मिक तरीके से उजागर किया हैं जो आपके दिल और दिमाग को झकझोर के रख देंगा। जावेद खान लिखते हैं कि...

उस दरिंदे ने,
खूब कहर बरपाया था।
इंसानियत को,
हवस की आग
में जलाया था ।।
पिता की एक गोली ने,
मुझे इंसाफ दिलाया था ।।

ना वकील ना दलील नाबालिग बेटी का पिता पूर्व सैनिक ने मौत के घाट उतारा बेटी से बलात्कार करने वाले आरोपी को, यह सही है, या गलत पर एक पिता ने अपनी बेटी को दिलाया इंसाफ। जब किसी बेटी या बहन के साथ बलात्कार होता है तो उसके मां-बाप भाई बहन पर क्या गुजरती है आप समझ नहीं सकते उनके कानों में बेटी की चीखें गूंजती है, बेटी के आंखों से बहते खून के आंसू रात भर मां-बाप को सोने नहीं देते, घर में खामोशी और उदासी का माहौल, मोहल्ले वालों की एक दूसरे से कानाफूसी तरह-तरह की बातें इन सब बातों से पीड़िता बेटी का पिता पूर्व सैनिक का गुस्से से खून उबल रहा था, आपको तो मालूम है हमारे देश के सैनिक भारत माता के लिए अपनी जान न्यौछावर करने से भी नहीं चूकते आज उसी सैनिक की बेटी की इज्जत पर एक असुर ने हाथ डाला था वह सैनिक अपनी बेटी की इज्जत के लिए कुछ भी करने को तैयार था अब उसने गलत किया या ठीक, इसका फैसला तो अदालत करेगी, यह घटना उत्तर प्रदेश के गोरखपुर शहर की है, पूर्व सैनिक ने अपनी नाबालिग बेटी से दरिंदगी करने वाले आरोपी को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले की अदालत के गेट पर यह घटना घटी पुलिस ने बताया कि मृतक बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला था और मामले की सुनवाई के लिए अदालत आया था, मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्ड ने पूर्व सैनिक पिता को दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। समाज के बड़े बुद्धिजीवी, बुद्धिमान, इज्जतदार, सम्मानीय लोग चुप हैं, अदालत में बलात्कार के मामलों में देरी, पेशी पर पेशी पीड़ित बेटियों के आंसू अब सूखने लगे हैं, मां बाप ने इंसाफ की उम्मीद छोड़ दी है। भारत की बेटियों का सोचना है कि, हां मैं लक्ष्मी हूं, हां मैं फातिमा हूं, हां मैं मरियम हूं, हां मैं गुरुमांदर कौर हूं। हम सब अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं, कोई हिंदू हैं, तो कोई मुस्लिम, सीख ईसाई, पर हम सब भारत की बेटियां हैं, और हमें गर्व है हमारे देश और हमारे संविधान पर। अफसोस हमारे देश में वहशी, दरिंदे हर युग में पैदा होते रहे हैं, पर यह दौर जो चल रहा है, जिसे कलयुग कहा जाता है, इसमें वहशी, दरिंदे और असुरों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है, इन दरिंदों के मन मस्तिष्क में दरिंदगी का सैलाब उमड़ता रहता है, आंखों में नाखून उग आए हैं, कब किस बहन की, किस बेटी की इज्जत उजड़ जाए कह नहीं सकते, कब तक हमारी बेटियां और बहनें इन दरिंदों का शिकार होती रहेगी, कब तक हमारी बहनें और बेटियां कहती रहेंगी ,हां मैं खामोश हो जाऊंगी, क्योंकि अदालतों में फैसला आने में लंबा समय लगता है, बलात्कार के आरोपी कुछ दिनों के बाद जमानत पर छूट जाते हैं, फिर दौर शुरू होता है, धमकियों का, बयान बदलने का, डराया जाता है धमकाया जाता है, उन पीड़ित बेटियों के दिल से यह बहुआ निकलती रहती के आज यह हादसा मेरे साथ हुआ है, आज जो तुमने मेरे साथ दरिंदगी की है, कल यह दरिंदगी तुम्हारी बेटी तुम्हारी बहन के साथ भी हो सकती है, जितना दुःख आज मुझे हुआ है, उतना ही दुःख मुझे फिर से होगा, जब कोई तुम्हारी बहन और बेटी के साथ दरिंदगी करेगा, क्योंकि वह तो बेगुनाह है, तुम्हारी गुनाहों की सजा क्यों उनको मिले। किसी ने कहा है कलयुग में सतयुग आएगा ऊपर वाले जल्दी से सतयुग की आमद करा दे, क्योंकि मासूम बेटियां बहने घर से निकलने में डरती है, चारों ओर इंसानियत की बयार चला दे, अब ना लुटे किसी मां बहन बेटी की इज्जत, ऊपर वाले भारत देश का ऐसा माहौल बना दे।

टुकड़े टुकड़े में बिखरी थी,
देश की बेटी की आबरू,
चीख निकली फिर,
एक खामोशी छा गई।

यूनियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा दस दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। मंडल कारा के बापू सभागार में यूनियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा दस दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का समापन प्रभारी उपाधीक्षक अमरेन्द्र कुमार के अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने आरसेटी को साधुवाद देते हुए कहा कि बंदियों को मशरुम उत्पादन करने की विधि सिखने से उनके जीवन में बदलाव आयेगा। इस अवसर पर निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कारा प्रशासन के सकारात्मक पहल से बंदियों को मशरूम बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है' यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संचालित आरसेटी के अंतर्गत दिया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 बंदियों को प्रशिक्षण दिया गया। औसफा के निदेशक देव कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बंदियों को स्वरोजगार से जोड़ना है। जो कारा से मुक्त होने के पश्चात कम लागत में मशरुम उत्पादन कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बन सकते हैं। प्रशिक्षण में शामिल सभी बंदियों का परीक्षा लेकर प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। मौके पर फैकेल्टी श्रवण कुमार झा आदि थे।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेजे सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करौली नगर परिषद के अग्निशमन कार्मचारियों का सात माह से नही हुआ हैं भुगतान

सभी कर्मचारी भूखे मरने की कगार पर, नगर परिषद कुंभकर्णीय नींद में

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। करौली नगर परिषद के अग्निशमन केंद्र में कार्यरत कार्मिकों के सामने रोजी रोटी का संकट मंडरा रहा है। जो आज की इस मंहगाई के दौर में परिवार का जीवन यापन करने में बहुत कठिन साबित हो रहा हैं। अग्निशमन कार्मिकों में फायरमैन और फायर ड्राइवर शकील खां कमलेश शर्मा, बाहिद खान, राजकुमार गुर्जर, नन्ना खां, दीपक शर्मा, ऋषिकेश मीना, जीतेश शर्मा, मोहसीन खान, पुष्पेंद्र शर्मा, अक्षय शर्मा, आमिर खान आदि ने बताया कि हम सभी कार्मचारियों एक सरकारी कार्मिक की भांति सभी कार्यों को अपनी पूर्ण निष्ठा के साथ संपादित कर रहे है ओर अपनी ड्यूटी का फर्ज निभा रहे है। लेकिन हमे पिछले सात माह बीत जाने के बाद भी वेतन नसीब नही हुआ हैं। वेतन की मांग को लेकर हम सभी कार्मिकों ने पहले भी नगर परिषद आयुक्त और सभापति को कई बार मासिक अल्पवेतन के लिए अवगत भी कराया गया है। लेकिन हमको आठ माह पूर्ण होने को है। परंतु हमारे वेतन दिलाने को लेकर अधिकारियों के जूं तक नहीं रेंगी हैं और आज तक हमारे पीएफ के पैसे की हमे कोई रसीद नही दी गई है और ना ही हमारे

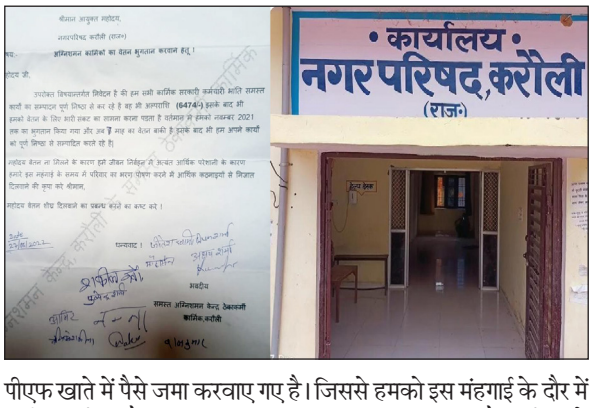

पीएफ खाते में पैसे जमा करवाए गए है। जिससे हमको इस मंहगाई के दौर में भारी आर्थिक और मानसिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में महंगाई के इस दौर में अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कूल फीस और अन्य जरूरी घरेलू कार्यों के लिए बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही अग्निशमन कार्मिकों ने बताया कि हमारे वेतन मांगने पर विभाग के अधिकारियों के द्वारा हम अल्प वेतन भोगी कार्मिकों को हटाने की धमकी दी जाती हैं। जब नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा से राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ ने बात की तो उन्होंने टारगेट के हिसाब से आगे पैसा नहीं आने के बारे में कहा। उन्होंने सात महीने के बकाया भुगतान के बारे में इंकार करते हुए कहा कि दो तीन महीने का बकाया भुगतान हो सकता हैं। अब सवाल यह उठता हैं कि नगर परिषद आयुक्त इन बेबस कर्मचारियों की सुनवाई करेगा या इनको ऐसे ही भूखा मरने को मजबूर होना पड़ेगा। यह भविष्य के गर्त में हैं।

इनका कहना हैं...

सात महीने से भुगतान बकाया है, इसकी जानकारी मुझे नहीं हैं। अगर ऐसा है तो ठेकेदार से बात करके अग्निशमन कर्मचारियों के लिए ठेकेदार से बात करेंगे

अमेनुद्दीन खान

(नगर परिषद चेयरमैन के पुत्र)

बराना में वृक्षारोपण किया गया, प्रर्यावरण के प्रति प्रतिबद्ध वृक्षारोपण प्रभारी घासीराम जाट

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। दिनांक 23.07.2022 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बराना में हरीत राजस्थान तथा जल, जंगल, जमीन संरक्षण अभियान के तहत स्थानीय बराना निवासी प्रियंका पारीक (कृषि एवं बागवानी अधिकारी- भीलवाड़ा) के मुख्य आतिथ्य व प्रधानाचार्य सायर लाखीवाल की अध्यक्षता में 100 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। वृक्षदाता प्रियंका पारीक ने बताया कि मैं इसी विद्यालय में बहुत ही असाधारण परिस्थितियों से संघर्ष कर के पढ़ लिख कर आज इस मुकाम तक पहुंची हूं। इस पर मुझे बहुत शुकुन महसूस हो रहा है,

मेरी इच्छा हैं कि अपने विद्यालय की बालिकाएं पढ़ लिख कर अपने गांव का नाम रोशन करें एवं अपना भविष्य भी उज्जवल बनाएं ऐसी बालिकाएं जो 12 वीं परीक्षा में 75% से उपर के अंको के साथ उत्तीर्ण होकर कोलेज में प्रवेश लेने वाली समस्त छात्राओं को प्रतिवर्ष 1100/-रु ईनाम दिया जाएगा। इस अवसर पर व्याख्याता श्रीमान राम राज, प्रदीप कुमार शर्मा, व सुरेश कुमार, शारीरिक शिक्षक नरपतसिंह राठौड़, अध्यापिका वन्दना पारीक उपस्थित थे, प्रिंसिपल सायर लाखीवाल ने वृक्षदाता प्रियंका पारीक का आभार व्यक्त कर बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए धन्यवाद दिया। उक्त जानकारी वरिष्ठ अध्यापक एवं बराना उच्च माध्यमिक विद्यालय में पी.ई.ई.ओ. एवं वृक्षारोपण प्रभारी घासी राम जाट ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

डीएम एस पी ने किया नरौली में कावंड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। शिव यात्रा को शान्ति पूर्ण सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी संभल मनीष बंसल व पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र शिव भक्तों की सुरक्षा व यात्रा को शान्ति पूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर गंभीर हैं दिन सोमवार की दोपहर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संभल जनपद में भ्रमण कर सुरक्षा के इंतजाम देखे शिव भक्तों की सुरक्षा के लिए भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। हरिद्वार से भारी संख्या में शिव भक्त गंगाजल व कावण लेने गए शिव भक्तों के लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है इसी क्रम में नरौली में निकलने वाले जुलूस मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस ने पुलिस क्षेत्राधिकारी चंदौसी और उपजिलाधीकारी चंदौसी के नेत्वर्त में पैदल मार्च किया लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और जी कावड़ यात्रा के जुलूस को आपसी भाईचारे प्रेम के साथ निकालने को कहा जिलाधिकारी मनीष बंसल और पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र ही अधीनस्थ अफसर भी अलर्ट हैं। इस दौरान वनिया ठेर थानाध्यक्ष कर्म पाल सिंह देहात चौकी प्रभारी सुनील कुमार मोरल पुरानी चौकी प्रभारी अजय कुमार भी मौजूद रहे।

बांकरा में किशन सिंह ने जन्मदिन पर आनंद वटवृक्ष लगा कर लिया सुरक्षा का संकल्प

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम पंचायत बांकरा के ग्राम पंचायत मुख्यालय में रावणा राजपूत समाज का एक युवक किशन सिंह रावणा राजपूत ने उसने अपने जन्मदिन पर एक वट वृक्ष लगाया। जिसका नाम आनंद वटवृक्ष है। आनंदपाल अपघात सेवा समिति भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष हरिकिशन सिंह कानावत ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि भीलवाड़ा में आनन्दपाल सिंह सांवराद की पंचम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर में मंजीतपाल सिंह के आह्वान से प्रेरित होकर बांकरा गांव में रावणा राजपूत समाज के रक्तवीर समाजसेवी किशन

सिंह रावणा राजपूत ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक वट वृक्ष लगाकर उसको आनंद वटवृक्ष नाम दिया। वृक्ष को पानी पिलाने व ट्री गार्ड लगाकर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी ली है। इस प्रकार अन्य व्यक्तियों को भी अपने जन्मदिन, सालगिरह के अवसर पर पेड़ पौधे लगाकर, पर्यावरण शुद्धि का संकल्प लेकर जन्म दिवस, सालगिरह मनाना चाहिए। जिससे पर्यावरण शुद्ध रह सके और अन्य प्राणियों को भी सुरक्षा, फल, फूल इत्यादि वस्तुएं मिलती है। यह पुण्य का कार्य है। इससे क्षेत्र के लोगों में अच्छा संदेश जाता हैं। जन्मदिन के अवसर पर होने वाली फिजूलखर्ची को बंद करके पौधे लगाना अच्छी बात हैं। सभी को इसी प्रकार जन्मदिन, सालगिरह मनाने का संकल्प लेना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गुड़ और चना एक साथ खाने से ही मिलेंगे ये फायदे

गुड़ और चने, दोनों ही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। मगर आज हम आपको गुड़ और चने का साथ में सेवन करने के फायदे बताने जा रहे हैं। जी हां, गुड़ और चने का साथ में सेवने करने से आपको तीन गुना ज्यादा फायदे मिलते हैं। चना प्रोटीन तो गुड़ विटामिन्स मिनरल्स से भरूपर होता है, जिससे आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं। चलिए जानते हैं रोजाना 1 कटोरी गुड़ व चना खाने से आपको क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

कब खाएं?

सुबह खाली पेट इसका सेवन ज्यादा फायदेमंद होता है लेकिन आप जिम जाते हैं तो वर्कआउट से 30 मिनट पहले इसका सेवन करें। साथ ही वजन घटाने के लिए आप इसे शाम के स्नैक्स का हिस्सा भी बना सकते हैं।

गुड़ और चना एक साथ खाने के बेहतरीन फायदे...

➤एनीमिया

खून में हीमोग्लोबिन की कमी ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलता है। ऐसे में महिलाओं को अपनी डाइट में आयरन से भरपूर चीजें लेने की सलाह दी जाती है, जिसके लिए चना और गुड़ बेस्ट ऑप्शन है। साथ ही इससे शरीर में कभी खून की कमी भी नहीं होती।

➤बॉडी को मिलती है भरपूर एनर्जी

यह शरीर में आसानी से अशोषित हो जाता है, जिससे ऊर्जा का संचार होता है, जिससे थकान और कमजोरी दूर हो जाती है।

➤मजबूत मांसपेशियां

गुड़ और चने में काफी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो मांसपेशियां को मजबूत बनाने में मदद करता है। अगर आप वर्कआउट करते हैं तो आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए क्योंकि इससे एनर्जी और मांसपेशियों को मजबूती दोनों मिलती है।

➤कब्ज की समसया

शरीर का डाइजेशन सिस्टम खराब होने की वजह से कब्ज और एसिडिटी की समस्या हो जाती है। ऐसे में गुड़ और भूने चने खाएं। इसमें फाइबर होता है जो पाचन शक्ति को ठीक रखता है।

➤तेज दिमाग

गुड़ और चने को मिलाकर खाने से दिमाग तेज होता है। इसमें विटामिन-बी6 होता है जो याददाश्त बढ़ाता है।

➤मजबूत दांत

इसमें फॉस्फोरस होता है जो दांतो के लिए काफी फायदेमंद है। इसके सेवन से दांत मजबूत होते हैं और जल्दी नहीं टूटते।

➤मोटापा घटाए

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे वजन तेज से कम होता है।

➤दिल की बीमारियों से बचाए

रोजाना गुड़ चने का सेवन करने से दिल से जुड़ी प्रॉब्लम्स ठीक हो जाती हैं। साथ ही इसमें पोटाशियम भी भरपूर मात्रा में होता है, जिससे आप हार्ट अटैक के खतरे से बचे रहते हैं।

➤मजबूत इम्यून सिस्टम

रोजाना नाश्ते में या दोपहर के खाने से पहले 50 ग्राम भुने हुए चने खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे आप कई बैक्टीरियल व वायरल इंफेक्शन के खतरे से बचे रहते हैं।

➤पेशाब संबंधी रोग से छुटकारा

जिनको बार-बार पेशाब आने की समस्या हो उन्हें रोजाना गुड़ के साथ चने का सेवन करना चाहिए। इससे कुछ ही दिनों में आराम मिल जाएगा।

➤डायबिटीज में फायदेमंद

यह शरीर में ग्लूकोज की मात्रा को सोख लेते है, जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। साथ ही गुड़ में नेचुरल शुगर होता है, जो डायबिटीज पेशेंट को नुकसान नहीं पहुंचाती। यही कारण है कि डायबिटीक में इसका सेवन फायदेमंद है।

➤खूबसूरती निखारे

इसमें जिंक अधिक मात्रा में

तेल या शैंपू से नहीं, चिया सीड्स से 2 हफ्ते में लंबे व मजबूत होंगे बाल

बाल छोटे हो या लंबे उनका ख्याल रखना कोई आसान काम नहीं है। बदलते लाइफस्टाइल के कारण सबसे ज्यादा असर बालों में ही देखा जा रहा है। बाल या तो झड़ना शुरू हो जाते है या समय से पहले सफेद होने लगते है। ऐसे में आज मजबूत और शाइनी बालों के लिए चिया सीड्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। चलिए अब हम आपको चिया सीड्स के बारे में बताते हैं, जिससे ना सिर्फ आपके झड़ते बालों की समस्या दूर होगा बल्कि इससे आपको शाइनी बाल भी मिलेंगे।चलिए आपको चिया सीड्स के फायदे से साझा करते है।

चिया के बीज की एक कण में

- **फाइबरः 11 ग्राम**
- **प्रोटीनः 4 ग्राम**
- **वसाः 9 ग्राम (जिनमें से 5 ओमेगा -3 एस हैं)**
- **कैल्शियमः18%**
- **मैंगनीजः 30%**
- **मैग्नीशियमः30%**
- **फास्फोरसः27%**

इसमें जिंक, विटामिन बी 3 (नियासिन), पोटेशियम, विटामिन बी 1 (थायमिन) और विटामिन बी 2 की भी अच्छी मात्रा होती है।

फायदे -

बालों की ग्रोथ में करता है मदद

बाल केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते है। यही वजह है कि हमारे बालों को प्रोटीन की भारी मात्रा में जरुरत होती है। चिया सीड्स में पर्याप्त प्रोटीन बालों को पोषण देता है। इससे बालों का मसाज करने से जड़े मजबूत होती है और बाल तेज गति से बढ़ना शुरू कर देते है। आप इसे पानी या नारियल तेल और दूध में भिगोकर अपने स्कैल्प पर हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें।

बाल को सफेद होने से रोकता है

प्रदूषण या पोषण की कमी से हमारे बाल समय से पहले सफेद होने लगते है। चिया सीड्स में जिंक होता है जो बालों को उनके कुदरती तरीके से बढ़ने और सफेद बालों के आने से रोकने में मदद करता है।

बालों का झड़ना हो जायगा बंद

चिया सीड्स में एमिनो एसिड्स पाए जाते है जो प्रोटीन बनाने के काम आते है। इनमें पर्याप्त जिंक , पोटैशियम और मैग्नीशियम बालों की जड़ो को मजबूत करता है। यह हर रोम से गंदगी साफ करता है। जिससे बालों का झड़ना रुक जाता है।

बाल होते है शाइनी

बालों में तेल की कमी होने के कारण बालों की चमक कम हो जाती है। स्कैल्प पर तेल के बनाए रखने के लिए चिया सीड्स सबसे ज्यादा फायदेमंद रहते है।

पोषण में करता है मदद

इसमें बहुत सारे तत्त्व होते है जो बालों को पोषण देता है। इसमें पर्याप्त कैल्शियम बालों की जड़ो को मजबूत करता है।

हर स्किन के लिए बेस्ट हैं मुल्तानी मिट्टी, यूं बनाएं घर पर ही स्पैशल पैक

चेहरे को गोरा और चमकदार बनाने के लिए मुल्तानी मिट्टी काफी मददगार सिद्ध होती है। मुल्तानी मिट्टी स्किन को क्लीन कर मिनटों में शाइनिंग देती है। मुल्तानी मिट्टी की एक खासियत है कि इसे हर तरह की त्वचा पर इस्तेमाल किया जा सकता है, मगर अलग-अलग तरीकों से। तो चलिए जानते हैं कौन सी त्वचा के लिए कौन सा मुल्तानी फेस पैक ठीक रहेगा।

- **ऑयली फेस**

ऑयली त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में रोज वॉटर मिक्स करके लगाएं। इससे त्वचा का स्रल लेवल बैलेंस रहेगा। ऑयली त्वचा ज्यादातर डार्क दिखती हैं। हफ्ते में 2 बार ऑयली त्वचा वाले लोग इस फेस पैक का इस्तेमाल जरुर करें। त्वचा पर मौजूद एक्सट्रा ऑयल मिनटों में हट जाएगा जिससे आपकी त्वचा निखरी और चमकदार दिखेगी।

- कोमल त्वचा

कोमल त्वचा के लिए कच्चे दूध में मुल्तानी मिट्टी चेहरे पर लगाना फायदेमंद रहेगा। मुल्तानी मिट्टी सूखने के बाद फेस को स्ट्रेच कर देती है। जिससे कोमल त्वचा को हानि पहुंच सकती है। ऐसे में कोमल त्वचा वाले हफ्ते में केवल एक बार कच्चे दूध में मिक्स मुल्तानी मिट्टी का लेप चेहरे पर लगाएं।

- ड्राई फेस

ड्राई फेस वाले मुल्तानी मिट्टी छाछ, शहद और मलाई मिक्स करके लगाएं। इससे मुल्तानी मिट्टी की ड्राइनेस उनकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाएगी। बल्कि चेहरे को पोषण देकर ड्राईनेस को कम करेगी।

- पिंपल्स

जिन लोगों के चेहरे पर बहुत ज्यादा मुंहासे होते हैं उन्हें मुल्तानी मिट्टी को रोज वॉटर या फिर टमाटर के रस में मिक्स करके लगाना चाहिए। टमाटर का रस एक मुल्तानी मिट्टी के पैक को ड्राई होने से रोकेगा साथ ही पिंपल्स को भी कम करेगा।

- नार्मल त्वचा

नार्मल त्वचा वाले लोग मुल्तानी मिट्टी को खीरे के रस और शहद के साथ मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी के साथ आप चंदन पाउडर भी मिक्स कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खत्म नही हुई कार्तिक आर्यन और करण जौहर की दुश्मनी?

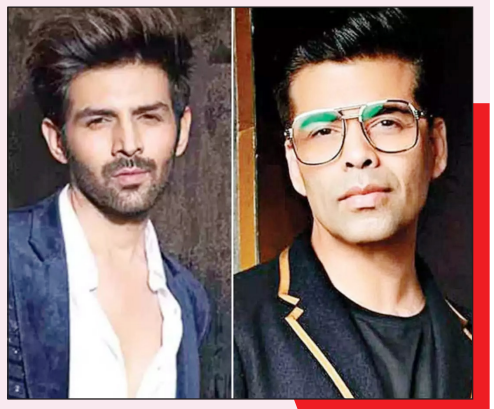

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन को लेकर कई कॉन्ट्रोवर्सीज हो चुकी है। लेकिन उनके करियर में आजतक की सबसे बड़ी कंट्रोवर्सी थी करण जौहर के साथ हुई उनकी अनबन। आपको याद दिला दे, इन दोनों के बीच कुछ ऐसा हुआ था जसके बाद पूरी दुनिया ने तमाशा देखा था। यहां तक की करण जौहर ने कार्तिक को अपनी फिल्म दोस्ताना से बाहर निकल फैंका था और सरेआम पोस्ट शेयर कर ये ऐलान किया था कि धर्मा प्रोडक्शंस कभी भी कार्तिक आर्यन के साथ काम नही करेगा। इस स्टेटमेंट में कार्तिक आर्यन पर भरकर निशाना साधा गया था। फिल्म से निकालने का कारण कार्तिक के अनप्रोफेशनल बिहेवियर को ठहराया गया था। हालांकि अपने खिलाफ लगाए इन इल्जामो पर एक्टर ने चुप्पी साधे रखी और अपनी गरिमा बनाये रखी। वही हाल ही में लम्बे समय बाद कार्तिक आर्यन और करण जौहर साथ नजर आये जिसके बाद ये लगने लगा कि शायद अब दोनों के बीच सब कुछ ठीक है। अब दोनों अपना मन मुटाव भूलकर आगे बढ़ गए है। लकिन अब कार्तिक आर्यन ने जैसे करण जौहर पर इंडायरेक्टली निशाना साधा है, उसके बाद यही लगता है कि कार्तिक के घाव अपने भरे नही है।

दिशा पाटनी के फैशन सेंस को देख भड़के लोग

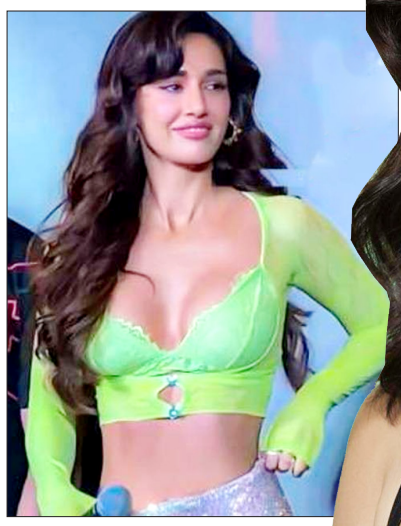

बॉलीवुड अदाकारा दिशा पाटनी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म के बाकी स्टार्स जॉन अब्राहम, अर्जुन कपूर और तारा सुतारिया के साथ मुंबई में रोड शो किया। इस दौरान चारों स्टार्स के बीच काफी जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिली। इसी के साथ दिशा और तारा ने अपने फैशन स्टेटमेंट के कारण लोगों का खूब ध्यान खींचा। मगर एक बार फिर दिशा अपने आउटफिट को लेकर ट्रोलर्स का शिकार हो गई। एक्ट्रेस का फैशन सेंस लोगों को बिल्कुल पसंद नहीं आया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी तुलना पूनम पांडे से कर रहे है। दरअसल, मूवी प्रमोशन के दौरान जहां तारा सुतारिया ब्लैक आउटफिट पहना हुआ था। वहीं दिशा ने स्टाइलिश नियॉन कलर का क्रॉप टॉप और सिल्वर कलर की थाई हाई स्लिट स्कर्ट पहने नजर आई। इस ड्रेस में दिशा बेहद हॉट लग रही थी। मगर एक्ट्रेस के टॉप का गला बेहद डीप था। वहीं जब उन्हें प्रमोशन के दौरान स्टेज पर बुलाया गया तो वह अपनी स्कर्ट को कैमरे के सामने ऊपर खिसकाती हुई दिखीं।

'मेल एक्टर को 'सर' बुलाते हैं लेकिन एक्ट्रेस को नहीं मिलती रिस्पेक्ट'

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया इन दिनों 'एक विलेन रिटर्न्स' के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। तारा सुतारिया ने इंडस्ट्री में मौजूद असमानता पर खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अभी भी मेल एक्टर्स को ज्यादा तवज्जो व सम्मान मिलता है लेकिन फीमेल एक्टर्स के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि मीडिया और फोटोग्राफर्स भी हीरो को सर कहकर पुकारते हैं जबकि फीमेल एक्ट्रेस के साथ ऐसा बर्ताव नहीं होता है। आइए आपको बताते हैं 'एक विलेन रिटर्न्स' एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने क्या क्या कहा। तारा सुतारिया ने कहा, मैं एक ऐसे परिवार से आती हूं जहां मजबूत महिलाएं रही हैं और सबके ओपिनियन रहे हैं। यही वजह रही है कि मैं कभी असमानता की अवधारणा को समझ नहीं पाई। लेकिन ये जरूर कहना चाहूंगी कि ये चीज गलत है। तारा ने कहा कि, मैंने कई दफा नोटिस किया है कि पैपराजी मेल सेलेब्स को सर कहकर पुकारते हैं जबकि एक्ट्रेस को नाम से पुकारते हैं। हमें 'मैम' या 'जी' बुलाए जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता है लेकिन ये छोटी सी बात है कि कैसे ये भी एक असमानता ही तो है। मेरा यही कहना है कि बड़ी चीज से पहले हर छोटी छोटी बातों को सुधारना और गौर करना जरूरी है।